Knowledgeable Research (KR) 2026, Special Vol., (5):01
ISSN: 2583-6633, CODEN: KRABAU
International open-access peer-reviewed refereed monthly journal
https://knowledgeableresearch.com/index.php/1

शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की उपयोगिता

प्रो.डॉ.प्रकाश सदाशिव सूर्यवंशी*
स्वातंत्र्य सैनिक सूर्यभानजी पवार महाविद्यालय, पूर्णा जि. परभणी

शोध सार

यह शोधपत्र समकालीन शैक्षिक परिदृश्य में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस - AI) की परिवर्तनकारी क्षमता और बहुआयामी उपयोगिता का विश्लेषण करता है। प्रौद्योगिकी के शैक्षणिक पद्धतियों में बढ़ते एकीकरण के साथ, कृत्रिम बुद्धिमत्ता केवल एक उपकरण के रूप में नहीं, बल्कि एक आदर्श-बदलाव लाने वाली शक्ति के रूप में उभर कर सामने आई है, जो अधिगम को वैयक्तिकृत करने, प्रशासनिक कार्यों को स्वचालित करने और छात्रों के प्रदर्शन में गहन अंतर्दृष्टि प्रदान करने में सक्षम है। यह अध्ययन शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रमुख अनुप्रयोगों की जांच करता है, जिनमें बुद्धिमान शिक्षण प्रणालियाँ, अनुकूली अधिगम प्लेटफॉर्म, स्वचालित मूल्यांकन और प्रतिक्रिया तंत्र, और गहन अधिगम वातावरण का निर्माण शामिल है। साथ ही, यह इसके लाभों का विश्लेषण करता है, जैसे कि छात्रों की बढ़ी हुई व्यस्तता, विविध शिक्षार्थियों के लिए सुलभता, और डेटा-संचालित पाठ्यक्रम विकास, साथ ही साथ जुड़ी चुनौतियों पर भी गंभीरता से विचार करता है। इन चुनौतियों में डेटा गोपनीयता से संबंधित नैतिक पहलू, एल्गोरिदमिक पूर्वाग्रह की संभावना, डिजिटल विभाजन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता-संवर्धित कक्षा में शिक्षक की बदलती भूमिका शामिल हैं। शोधपत्र इस निष्कर्ष पर पहुँचता है कि शिक्षा में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सफल एकीकरण एक संतुलित, मानव-केंद्रित दृष्टिकोण पर निर्भर करता है जो शिक्षकों और शिक्षार्थियों दोनों को सशक्त बनाने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता की क्षमताओं का लाभ उठाता है, जिससे एक अधिक न्यायसंगत, कुशल और आकर्षक शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा मिलता है।

बीज शब्द: *कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा, वैयक्तिकृत अधिगम, बुद्धिमान शिक्षण प्रणालियाँ, अनुकूली अधिगम, शैक्षिक प्रौद्योगिकी*

Received: 02/12/2025
Accepted: 17/01/2026
Published: 31/01/2026

***Corresponding Author:**
प्रो.डॉ.प्रकाश सदाशिव सूर्यवंशी
Email: aaryaprakash07@gmail.com

वर्तमान युग तकनीक और डिजिटल क्रांति का युग है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता मानव जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रही है. शिक्षा के क्षेत्र में भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग तेजी से बढ रहा है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता न केवल छात्रों के लिए शिक्षा आसान बना रही है बल्की शिक्षको और शैक्षणिक संस्थाओ के लिए भी प्रभावी उपकरण साबित हो रही है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने अध्ययन और अध्यापन के क्षेत्र में अमूलचूल परिवर्तन कर दिया है.

हिंदी भाषा भारत के सामाजिक सांस्कृतिक और साहित्यिक चेतना की वाहक है. हिंदी भाषा ने साहित्य को समृद्ध बनाया है. साहित्य सृजन के साथ अध्ययन और अध्यापन के क्षेत्र में समय के साथ परिवर्तन आ रहा है. परंपरागत अध्ययन और अध्यापन पद्धती के साथ अब डिजिटल और तकनीकी पद्धतीयों को अपना कर साहित्य के अध्ययन को नया आयाम दिया जा रहा है. वर्तमान युग तकनीक और डिजिटल क्रांति का युग है .कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने मनुष्य जीवन में क्रांती की है. मानव जीवन के प्रत्येक क्षेत्र को कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने प्रभावित किया है. हिंदी भाषा तथा साहित्य सृजन का क्षेत्र भी इससे अछुता नही रहा . यह एक ऐसी तकनीक है जो मनुष्य की बौद्धिक क्षमता का अनुकरण करती है. मनुष्य अपने उत्तरोत्तर विकास के लिए नये नये अविष्कार कर रहा है. आज का मनुष्य किसी भी समस्या का समाधान चुटकी मे चाहता है. उसके पास कुछ नया सीखने के लिए न सालों का समय है न सिखने के लिए किसी के पास जाने के लिए समय है. गुगल गुरु के माध्यम से वह

घर बैठे ही ज्ञान प्राप्त कर रहा है. युट्युब सबस्टेक चॅट जीपीटी फेसबुक और ब्लॉग जैसे अनेक इंटरनेट प्लॅटफॉर्म के माध्यम से करोडो पाठको दर्शको और श्रोताओ तक अपनी बात एक क्लिक पर पंहुचायी जा रही है.

हिंदी भाषा और साहित्य जैसे सृजनात्मक क्षेत्र को कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने प्रभावित किया है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर आधारित एप्लीकेशन और डिजिटल प्लॅटफॉर्म हिंदी भाषा सिखने को सरल और प्रभावी बना रहे है. हिंदी भाषा साहित्य की भाषा होने के साथ साथ आधुनिक ज्ञान विज्ञान को सक्षम बनाने की भाषा बनी है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रयोग करते हुए हिंदी की साहित्यिक अध्यात्मिक सांस्कृतिक तथा शैक्षणिक संपदा को वैश्विक पहचान बनाया जा सकता है. तकनीक की मदद से भाषाई चुनौतियो तथा दुरियो की समस्या को दूर करके हिंदी को विश्व के कोने कोने पहुंचांया जा सकता है.

शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रयोग तेजी के साथ हो रहा है. स्कूल और कॉलेज में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना कर कक्षाओ तथा ऑनलाइन शिक्षा प्रणाली को सुचारुरूप से चलाया जा सकता है. शिक्षा मनुष्य के मस्तिष्क को विकसित करने का एक महत्वपूर्ण साधन है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के माध्यम से कौशल पर आधारित पाठ्यक्रम विभिन्न शिक्षा के कार्यक्रम तथा शिक्षा के अनुप्रयोग को विकसित किया जा सकता है. छात्र की कुछ नया सीखने की जिज्ञासा को अवसर प्रदान करने का काम कृत्रिम बुद्धिमत्ता कर रही है.

शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता को अपना कर अध्यापक और छात्रों को अनेक लाभ हो सकते है. शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग स्मार्ट क्लासरूम डिजिटल ट्यूटर और स्वचलीत मूल्यांकन प्रणाली के रूप मे हो रहा है. शिक्षा को सरल और आसान बनाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है जैसे व्यक्तिगत शिक्षक कार्यक्रम शैक्षिक सामग्री का निर्माण करना स्वचलीत फीडबॅक सिस्टम. कृत्रिम बुद्धिमत्ता छात्रों के प्रदर्शन का आकलन भी कर सकती है जिससे अधिक व्यक्तिगत सीखने के अनुभव की सुविधा मिलती है जो छात्रों को अध्ययन की दृष्टि से गतिशील बनाता है. चॅटजीपीटी और गुगल जेमिनी की सहायता से अध्यापक नयी शिक्षण सामग्री तयार करते हुए छात्रों के साथ नये तरीके से जुड सकते है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग अध्यापको के प्रशासनिक कार्य को कम करते हुए छात्रों को 24/7 सहायता प्रदान करने के लिए किया जा सकता है. इसमे सीखने का अनुभव अधिक आकर्षक सुलभ और प्रभावी हो सकता है. छात्रों की जरुरतो के अनुसार सामग्री को अनुकूलित किया जा सकता है जिससे हर छात्र अपनी क्षमता के अनुसार सिख सके. कृत्रिम बुद्धिमत्ता संचालित चॅटवॉट छात्रों को किसी भी समय तत्काल सहायता और प्रश्न पूछने की सुविधा देता है और इंटरॅक्टिव्ह लर्निंग उपकरण के माध्यम से जटिल अवधारणाओ को जिवंत और आकर्षक बनाता है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का शिक्षा के क्षेत्र में प्रयोग करने से अध्ययन मे समय और संसाधन की बचत होती है. प्रत्येक छात्र की अभिरुची और गुणों के आधार पर कक्षा मे पाठ्यक्रम और संसाधनो को अनुकूलित करणे मे मदद होती है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण भारत की शिक्षा प्रणाली मे रट कर अध्ययन करने वाली परंपरा से मुक्त करके ज्ञान संपादित करने वाली शिक्षार्थी केंद्रित छात्र तयार हो सकते है. कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नैतिकता समावेशन और मानवीय निगरानी के साथ अपनाया गया तो शिक्षा प्रणाली की गुणवत्ता मे सुधार लाया जा सकता है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के उपयोग से भारतीय शिक्षा प्रणाली को बेहत्तर बनाया जा सकता है लेकिन कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तकनीक केवल सूचनाओं की उच्च भंडारण क्षमता से युक्त मशीन है .स्पष्ट रूप से कहा जाये तो स्मृतिक्षमता तर्कशक्ती मे जमीन आसमान का अंतर है इसी कारण कृत्रिम बुद्धिमत्ता के शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक और नकारात्मक पहलू दिखाई देते है.

कृत्रिम बुद्धिमत्ता से नुकसान

शिक्षा के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग करना चाहिये या नही इस संदर्भ मे विद्वानो मे मतभेद है क्योंकी एक रोबोट उतना अच्छा शिक्षक नही बन सकता जितना एक मानव बन सकता है. अनेक विद्वानो का मानना है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रयोग से मानव जीवन मे आलस्य आ सकता है वह किसी भी काम को करने में निष्क्रिय हो जायेगा. भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश मे बेरोजगारी बढ जायेगी. समय के साथ साथ मशीन के हार्डवेअर और सॉफ्टवेअर को अपडेट करने के लिए धनराशी खर्च की जायेगी

कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे शिक्षा के क्षेत्र में वरदान साबित हो रही है वैसे उससे अनेक नुकसान भी हो सकते है. छात्रों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता की खुली छूट देने पर छोटीशी समस्या का हल ढूंढने के लिए वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता का सहारा ले सकता है. इसी कारण स्वयं कोशिश करके हल खोजने और रचनात्मक ढंग से कार्य को अंजाम देने की प्रतिभा से वह दूर जायेगा. कृत्रिम बुद्धिमत्ता सिखने के लिए अध्यापक और छात्र दोनो

Copyright: © The authors. This article is open access and licensed under the terms of the Creative Commons Attribution License (http://creativecommons.org/licenses/by/4.0/)

को प्रशिक्षित होना आवश्यक है. ऐसी अनेक चुनोतिया तथा नुकसान भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता के कारण हो सकते है.

संदर्भ.

1) Bayne; S .Teacherbot : intervention in automated teaching.Teaching in a Higher Education 2015

2) Shodhsuryam International Scientific Referred Research Journal.

शिक्षा मे कृत्रिम बुद्धिमत्ता का प्रभाव.

डॉ. रुची हरीश आर्य. Val.-1 issue 2

3) https #online.UC.edu.

4) www. कृत्रिम बुद्धिमत्त और शिक्षा.